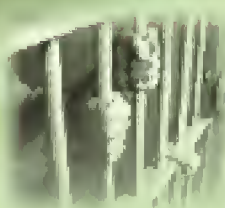


नेक बनने का नुस्खा



पन्द्रहवीं सदी की अजीम इल्मी व रूहानी शख्सियत
शैखे तरीक़त, अमीरे अहले सुन्नत, बानिये दा'वते इस्लामी
हज़रते अल्लामा मौलाना अबू बिलाल

जेल के कैदियों
के लिये

मुहम्मद इल्यास अत्तार कादिरी र-जवी دات برکاتہم العالیہ

ने इस पुर फ़ितन दौर में नेकियां करने और गुनाहों से बचने के
तरीकों पर मुश्तमिल शरीअतो तरीक़त का जामेअ मज्मूअ

52 म-दनी इन्आमात

52 Madani In-aamaaT (Hindi)

ब सूरते सुवालात अता फ़रमाए हैं । इन के
मुताबिक़ आसानी से अमल करने का तरीक़ए कार
आख़िर में दिया गया है । मज़ीद मा'लूमात के लिये
मक-त-बतुल मदीना की किसी भी शाख़ से किताब

जन्नत के तलब गारों के लिये म-दनी गुलदस्ता तलब फ़रमा सकते हैं ।

मर्कज़ी मजलिसे शूरा (दा'वते इस्लामी)

مکتبۃ الدینۃ
دا'वۃ इस्लामी

(52 म-दनी इन्आमात)

येह रिसाला (52 म-दनी इन्आमात)

शैखे तरीक़त, अमीरे अहले सुन्नत, बानिये दा'वते इस्लामी हज़रत अल्लामा मौलाना अबू बिलाल मुहम्मद इल्यास अत्तार कादिरि र-जवी وَأَمَّا بِرُكَّاتِهِمُ الْعَالِيَةِ ने उर्दू ज़बान में तहरीर फ़रमाया है।

मजलिसे तराजिम (दा'वते इस्लामी) ने इस रिसाले को हिन्दी रस्मुल ख़त में तरतीब दे कर पेश किया है और मक-त-बतुल मदीना से शाएअ करवाया है। इस में अगर किसी जगह कमी बेशी पाएं तो मजलिसे तराजिम को (ब ज़रीअए मक्तूब, ई-मेइल या SMS) मुत्तलअ फ़रमा कर सवाब कमाइये।

राबिता : मजलिसे तराजिम (दा'वते इस्लामी)

मक-त-बतुल मदीना, सिलेक्टेड हाउस,
अलिफ़ की मस्जिद के सामने, तीन दरवाज़ा,
अहमदआबाद-1, गुजरात

MO. 9374031409

E-mail : translationmaktabhind@dawateislami.net

म-दनी वज़ाहतें

म-दनी इन्आमात की वज़ाहतों और रिआयतों से मु-तअल्लिक सुवालात के जवाबात के लिये तन्ज़ीमी तौर पर चार क़ाइदे मुक़र्रर किये गए हैं।

क़ाइदा नम्बर 1 : बा 'ज़ म-दनी इन्आमात चन्द "जुज़्इय्यात" पर मुश्तमिल हैं।

म-सलन : तहज्जुद, इशराक़, चाश्त, अव्वाबीन वाला म-दनी इन्आम, इस म-दनी इन्आम में 4 जुज़ हैं, लिहाज़ा ऐसे म-दनी इन्आमात पर अक्सर पर अमल होने की सूरत में तन्ज़ीमी तौर पर अमल मान लिया जाएगा।

(अक्सर से मुराद आधे से ज़ियादा म-सलन 100 में से 51 अक्सर कहलाएगा)

क़ाइदा नम्बर 2 : बा 'ज़ म-दनी इन्आमात ऐसे हैं जिन पर किसी दिन अमल न होने की सूरत में तन्ज़ीमी तौर पर दूसरे दिन अमल की तरगीब है।

म-सलन : चार सफ़हात फ़ैज़ाने सुन्नत, 313 बार दुरूदे पाक पढ़ने या कन्जुल ईमान शरीफ़ से कम अज़ कम 3 आयात की तिलावत (मअ तरजमा व तफ़्सीर) करने से महरूम रही। इस सूरत में जितने दिन नागा हुवा, बा 'द वाले दिनों में रह जाने वाले दिनों का

हि़साब लगा कर उतनी ही मर्तबा अमल करने पर तन्ज़ीमी तौर पर अमल मान लिया जाएगा ।

काइदा नम्बर 3 : बा 'ज़ म-दनी इन्आमात ऐसे हैं जिन पर अमल की आदत बनाने में वक़्त लगता है ।

म-सलन : कहकहा, तू तुकार से बचने और निगाहें झुका कर चलने की आदत बनाने वाले इन्आमात, ऐसे म-दनी इन्आमात पर ज़मानए कोशिश के दौरान अमल मान लिया जाएगा ।
(कोशिश पाए जाने के लिये ज़रूरी है कि कम अज़ कम दिन में 3 दफ़आ अमल करे)

काइदा नम्बर 4 : बा 'ज़ म-दनी इन्आमात ऐसे हैं जिन पर सहीह उज़्र (या 'नी हकीकी मजबूरी) की बिना पर अमल की कोई सूरत न हो तो भी तन्ज़ीमी तौर पर इन पर अमल मान लिया जाएगा ।

यौमिय्या 41 म-दनी इन्आमात

पहला द-रजा 14 म-दनी इन्आमात

(1) क्या आज आप ने कुछ न कुछ जाइज़ कामों से पहले अच्छी अच्छी निध्दतें कीं ? नीज़ कम अज़ कम दो को इस की तरगीब दिलाई ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(2) क्या आज आप ने पांचों नमाज़ें पढ़ीं ? नीज़ हर नमाज़ पढ़ने से पहले किसी एक मुसल्मान कैदी को (नरमी के साथ) नमाज़ की दा'वत दी ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(3) क्या आज आप ने नमाज़े पन्जगाना के बा'द नीज़ सोते वक़्त कम अज़ कम एक एक बार आ-यतुल कुर्सी, सू-रतुल इख़्लास और तस्बीहे फ़ातिमा رَضِيَ اللهُ تَعَالَى عَنْهَا पढ़ी ? नीज़ रात में सू-रतुल मुल्क पढ़ या सुन ली ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(4) क्या आज आप ने अज़ान की आवाज़ सुनने पर बातचीत, चलत फिरत, उठाना रखना, वगैरा तमाम कामकाज मौकूफ़ कर के अज़ान व इक्रामत का जवाब दिया ? (अगर पहले से खा पी रहे हों और अज़ान शुरू हो जाए तो खाना पीना जारी रख सकते हैं)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(5) क्या आज आप ने आते जाते या सलाम करने के मवाक़ेअ़ पर खड़े या बैठे हुए मुसल्मानों को सलाम किया ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(6) आज आप ने हर छोटे बड़े को तू कह कर मुख़ातब किया या आप कह कर ? नीज़ हर एक से दौराने गुफ़्त-गू “हैं” कह कर बातचीत की या “जी” कह कर ? (आप और जी कहना दुरुस्त जवाब है)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(7) **إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ** के मा'ना हैं "अल्लाह ने चाहा तो" और अहादीस में इस के बोलने की तरगीब है क्या आप ने पक्के इरादे के साथ हर जाइज़ बात पर नियत करते वक़्त **إِنْ شَاءَ اللَّهُ** का पाकीज़ा जुम्ला बोला कि नहीं ? और किसी की तरफ़ से तबीअत मा'लूम करने पर शिक्वा करने की बजाए **الْحَمْدُ لِلَّهِ عَلَى كُلِّ حَالٍ** (या'नी हर हाल में अल्लाह का शुक्र है) और किसी ने'मत को देख कर **مَا شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ** (या'नी जो अल्लाह की मरजी) कहा ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(8) क्या आज आप ने हर मर्तबा सलाम का जवाब इतनी बुलन्द आवाज़ से दिया कि सलाम करने वाले ने सुन लिया ? और छींकने वाले के **الْحَمْدُ لِلَّهِ** कहने पर भी फ़ौरन इतनी आवाज़ से जवाबन **يَرْحَمُكَ اللَّهُ** कहा कि उस ने सुन लिया ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(9) क्या आज आप ने हाथ धो कर सुन्नत के मुताबिक बैठ कर मअ पर्दे में पर्दा, बिस्मिल्लाह और दुआएं पढ़ कर खाना खाया ? नीज़ पेट का कुप्ले मदीना लगाने (या'नी ख्वाहिश और भूक से कम खाने) की कोशिश फ़रमाई ? (ज़हे नसीब ! रोज़ाना कम अज़ कम 12 मिनट पेट पर पथ्थर बांधने की सआदत नसीब हो जाए)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(10) क्या आज आप ने फ़ैज़ाने सुन्नत से दो दर्स (मस्जिद/बेरेक में) दिये या सुने ? क्या आज आप ने कम अज़ कम 313 मर्तबा दुरूद शरीफ़ पढ़ लिया ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(11) क्या आज आप ने मद्र-सतुल मदीना (बालिग़ान) में पढ़ा या पढ़ाया ? नीज़ दिन का अक्सर हिस्सा बा वुज़ू रहे ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(12) क्या आज आप ने 12 मिनट मक-त-बतुल मदीना की मत्बूआ किसी इस्लाही किताब और फैज़ाने सुन्नत से तरतीब वार कम अज़ कम चार सफ़हात (दर्स के इलावा) पढ़ या सुन लिये ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(13) क्या आज आप ने यक्सूई के साथ कम अज़ कम 12 मिनट फ़िक्रे मदीना (या'नी अपने आ'माल का मुहा-सबा) करते हुए जिन जिन "म-दनी इन्आमात" पर अमल हुवा उन की रिसाले में ख़ाना पुरी फ़रमाई ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(14) क्या आज आप ने कम अज़ कम एक बार (बेहतर येह है कि सोने से क़ब्ल) सलातुत्तौबा पढ़ कर दिन भर के बल्कि साबिका होने वाले तमाम गुनाहों से तौबा कर ली ? नीज़ खुदा न ख़्वास्ता गुनाह हो जाने की सूरत में फ़ौरन तौबा कर के आयन्दा वोह गुनाह न करने का अह्द किया ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

दूसरा द-रजा 14 म-दनी इन्आमात

(15) क्या आज आप ने नींद से फ़रागत के बा'द बिस्तर और उतारने के बा'द लिबास तह कर के रखा ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(16) क्या आज आप ने फ़ज़्र, ज़ोहर, अस्र और इशा की सुन्नते क़ब्लिया (जमाअत शुरू होने से क़ब्ल) नीज़ फ़र्जों के बा'द वाले नवाफ़िल अदा फ़रमाए ? (नवाफ़िल दसों बयान के बा'द भी पढ़ सकते हैं)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(17) क्या आज आप ने नमाज़े तहज्जुद, इशराक़, चाश्त और अव्वाबीन अदा फ़रमाई ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(18) क्या आज आप ने कन्ज़ुल ईमान से कम अज़ कम तीन आयात (मअ तरजमा व तफ़्सीर) तिलावत करने या सुनने की सआदत हासिल की ? नीज़ कम अज़ कम एक एक बार तहिय्यतुल वुज़ू और तहिय्यतुल मस्जिद अदा फ़रमाई ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(19) क्या आज आप ने कम अज़ कम दो कैदी इस्लामी भाइयों को इन्फ़रादी कोशिश के ज़रीए मद्रसे में पढ़ने और म-दनी इन्आमात पर अमल करने की तरगीब दिलाई ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(20) क्या आज आप ने जेल के क़्वानीन पर अमल करते हुए इन्तिज़ामिया के साथ (शरीअत के दाएरे में रह कर) तअवुन किया या नहीं ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(21) आज आप ने कहीं दूसरों की चीज़ें म-सलन (चादर, क़लम वगैरा) बिगैर इजाज़त ले कर इस्ति'माल तो नहीं कीं ? (सिर्फ़ अपनी चीज़ें इस्ति'माल कीजिये और ज़रूरत की चीज़ निशानी लगा कर अपने पास ब हिफ़ाज़त रखिये और दूसरों को भी इस की तरगीब दें ताकि अश्या के मिल जाने पर मालिक का तअय्युन करना मुम्किन हो)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(22) किसी मुसलमान से बुराई सादिर हो जाए और इस्लाह की ज़रूरत महसूस हो तो तहरीरी तौर पर या बराहे रास्त मिल कर (दोनों सूरतों में नरमी के साथ) समझाने की कोशिश फ़रमाई या مَعَاذَ اللَّهِ عَزَّوَجَلَّ बिला इजाज़ते शर-ई किसी और पर इज़हार कर के ग़ीबत का गुनाहे कबीरा कर बैठे ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(23) क्या आज आप ने पर्दे में पर्दा किया ? और सर को ढांपने के लिये टोपी पहनने का मा'मूल बनाया ? नीज़ बैठने में अक्सर क़िब्ला रू रहने की सुन्नत अदा करने की सआदत पाई ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(24) आज आप ने किसी पर गुस्सा आ जाने की सूरत में चुप साध कर गुस्से का इलाज फ़रमाया या बोल पड़े ? नीज़ दर गुज़र से काम लिया या इन्तिक़ाम (या'नी बदला लेने) का मौक़अ ढूँडते रहे ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(25) आज आप ने किसी से ऐसे फुज़ूल सुवालात तो नहीं किये जिन के ज़रीए मुसल्मान उमूमन झूट के गुनाह में मुब्तला हो जाते हैं ? (म-सलन येह पूछना कि आप मेरी बात का बुरा तो नहीं मानते ? या आप मुझ से नाराज़ तो नहीं ?)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(26) क्या आज आप T.V. पर फ़िल्में, डिरामे और गाने बाजे या गुनाहों भरी ख़बरें देखने या सुनने से बचे ? नीज़ आंखों की हिफ़ाज़त की आदत बनाने के लिये सोने के अवकात के इलावा कम अज़ कम 12 मिनट आंखें बन्द रखीं ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(27) आज आप ने तोहमत लगा कर या किसी भी तरह किसी मुसल्मान की इज़्ज़त तो ख़राब नहीं की ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(28) आज आप ने कम अज़ कम एक रिसाला पढ़ा या सुना ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

तीसरा द-रजा 13 म-दनी इन्आमात

(29) आज आप ने दूसरे की बात इत्मीनान से सुनने के बजाए उस की बात काट कर कहीं अपनी बात तो शुरू नहीं कर दी ? नीज़ बात समझ जाने के बा वुजूद बे साख़्ता : हैं ? जी ? या क्या ? वगैरा बोल कर या अब्रू या चेहरे के इशारे से दूसरों को ख़्वाह म ख़्वाह अपनी बात दोहराने की ज़हमत तो नहीं दी ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(30) क्या आज आप ने सदाए मदीना लगाई ? (इस्लामी भाइयों को फ़ज़्र की नमाज़ के लिये जगाना सदाए मदीना कहलाता है)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(31) क्या आज आप को झूट, ग़ीबत, चुगली, हसद, तकब्बुर और वा 'दा ख़िलाफ़ी और दीगर मोहलिकात (ज़ाहिरी व बातिनी गुनाहों) से बचने में काम्याबी हासिल हुई ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(32) कर्जदार होने की सूरत में (बा वुजूदे इस्तिताअत) कर्ज ख्वाह की इजाजत के बिगैर आप ने कर्ज की अदाएगी में कहीं ताखीर तो नहीं की ? नीज किसी से आरिख्यतन (या'नी आरिजी तौर पर) ली हुई चीज जरूरत पूरी होने पर मुकररा मुद्त के अन्दर वापस कर दी ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(33) आज आप ने किसी मुसल्मान के उयूब पर मुत्तलअ हो जाने पर उस की पर्दा पोशी फ़रमाई या (बिला मस्लहते शर-ई) उस का ऐब ज़ाहिर कर दिया ? नीज किसी की राज़ की बात (बिगैर उस की इजाजत) दूसरों को बता कर ख़ियानत तो नहीं की ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(34) आप ने (बिला मस्लहते शर-ई) किसी एक या चन्द से ज़ाती दोस्ती गांठ रखी है या सब के साथ यक्सां तअल्लुकात रखे हैं ? (मुशा-हदा येही है कि फ़ी ज़माना उमूमन ज़ाती दोस्तियां और ग्रूप बन्दियां तन्जीमी कामों की तरक्की में रुकावट बनती हैं)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(35) क्या आज आप ने नमाज़ और दुआ के दौरान खुशूओ खुजूअ पैदा करने की कोशिश फ़रमाई ? नीज़ दुआ में हाथ उठाने के आदाब का लिहाज़ रखा ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(36) क्या आज आप ने ज़बान का कुफ़ले मदीना लगाते हुए फुज़ूल गोई से बचने की आदत डालने के लिये कुछ न कुछ इशारे से और कम अज़ कम चार बार लिख कर बात की ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(37) क्या आज आप ने मज़ाक़ मस्ख़री, तन्ज़ बाज़ी, दिल आज़ारी और क़हक़हा लगाने (या'नी खिलखिला कर हंसने) से बचने में काम्याबी हासिल की ? किसी का नाम तो नहीं बिगाड़ा ? (किसी को सुवर, गधा, चोर, लम्बू, ठिंगू वगैरा न कहा करें बिला इजाज़ते शर-ई किसी मुसल्मान का दिल दुखाना कबीरा गुनाह है)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(38) क्या आज आप ने ज़रूरी गुफ्त-गू भी कम से कम अल्फ़ाज़ में निमटाने की कोशिश फ़रमाई ? नीज़ फुज़ूल बात मुंह से निकल जाने की सूरत में फ़ौरन नादिम हो कर ज़िक्रो अज़्कार किया या कम अज़ कम एक बार दुरूद शरीफ़ पढ़ लिया ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(39) क्या आप ने चेहरे पे दाढ़ी सजाई ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(40) आज आप ने किसी से गाली गलोच, लड़ाई झगड़ा तो नहीं किया ? नीज़ जेल के माहोल को साज़गार बनाने की कोशिश की ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(41) क्या आप ने अपने कपड़ों, बदन, बिस्तर और अपने बेरेक में सफ़ाई का ख़याल रखा ? नीज़ आप ने (शरीअत के दाएरे में रहते हुए) जेल इन्तिज़ामिया के साथ तआवुन किया ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

कुपुले मदीना कारकदर्गी

म-दनी माह व साल.....

तारीख	लिख कर गुप्त-गू	इशारे से गुप्त-गू	निगाहें गाड़े बिगैर गुप्त-गू	कुपुले मदीना ऐनक का इस्ति'माल
	कम अज़ कम 12 मर्तबा	कम अज़ कम 12 मर्तबा	कम अज़ कम 12 मर्तबा	कमो बेश 12 मिनट
1				
2				
3				
4				
5				
6				
7				
8				
9				
10				
11				
12				
13				
14				
15				

तारीख़	लिख कर गुफ़्त-गू	इशारे से गुफ़्त-गू	निगाहें गाड़े बिगैर गुफ़्त-गू	कुफ़ले मदीना ऐनक का इस्ति'माल
	कम अज़ कम 12 मर्तबा	कम अज़ कम 12 मर्तबा	कम अज़ कम 12 मर्तबा	कमो बेश 12 मिनट
16				
17				
18				
19				
20				
21				
22				
23				
24				
25				
26				
27				
28				
29				
30				
मज्मूई				

हफ़्तावर 2 म-दनी इन्आमात

(42) क्या आप ने इस हफ़्ते पीर शरीफ़ (या रह जाने की सूरत में किसी भी दिन) का रोज़ा रखा ?

(43) क्या आप ने इस हफ़्ते कम अज़ कम एक कैदी इस्लामी भाई की ग़म ख़्बारी की ?

माहाना 3 म-दनी इन्आमात

(44) इस माह की पहली पीर शरीफ़ को रिसाला “ख़ामोश शहज़ादा” का मुता-लआ फ़रमा कर फुज़ूल गोई से बचने की आदत बनाने के लिये 25 घन्टे का कुफ़ले मदीना लगाया ? नीज़ क्या आप ने पिछले महीने का म-दनी इन्आमात का रिसाला पुर कर के अपने उस्ताद को जम्अ करवाया ?

(45) क्या आप ने बालिग़, ना बालिग़ व ना बालिगा के जनाजे की दुआएं छ कलिमे, ईमाने मुफ़स्सल, ईमाने मुज्मल, तक्बीरे तशरीक़ और तल्बिया (या'नी लब्बैक) येह सब तरजमे के साथ ज़बानी याद कर लिये हैं ? नीज़ इस माह की पहली पीर शरीफ़ को (या रह जाने की सूरत में किसी और दिन) येह सब पढ़ लिये ?

(46) क्या आप ने अज़ान और इस के बा'द की दुआ कुरआन शरीफ़ की आख़िरी दस सूरतें, दुआए कुनूत, अत्तहिध्यात, दुरूदे इब्राहीम और कोई एक दुआए मासूरा येह सब मख़रिज से हुरूफ़ की दुरुस्त अदाएगी के साथ ज़बानी याद कर लिये हैं ? नीज़ इस माह की पहली पीर शरीफ़ को (या रह जाने की सूरत में किसी और दिन) येह सब पढ़ लिये हैं ?

सालाना 6 म-दनी इन्आमात

(47) क्या आप ने इस साल कम अज़ कम एक बार इमाम ग़ज़ाली عَلَيْهِ رَحْمَةُ اللَّهِ الْوَالِي की आख़िरी तस्नीफ़ मिन्हाजुल अ़बिदीन से तौबा, इख़्लास, तक्वा, ख़ौफ़ व रजा, उज़्ब व रिया, आंख, कान, ज़बान, दिल और पेट की हिफ़ाज़त का बयान पढ़ या सुन लिया ?

(48) क्या आप ने इस साल कम अज़ कम एक मर्तबा बहारे शरीअत हिस्सा 9 से मुरतद का बयान, हिस्सा 16 से ख़रीदो फ़रोख़्त का बयान, वालिदैन् के हुकूक़ का बयान, (अगर शादी शुदा हैं तो) हिस्सा 7 से मह्रमात का बयान और हुकूकुज़्ज़ौजैन् हिस्सा 8 से बच्चों की परवरिश का बयान, त़लाक़ का बयान, ज़िहार का बयान और त़लाक़े किनाया का बयान पढ़ या सुन लिया ?

(49) क्या आप ने मख़ारिज से हुरूफ़ की दुरुस्त अदाएगी के साथ कम अज़ कम एक बार कुरआने पाक नाज़िरा ख़त्म कर लिया है ? और इसे इस साल दोहरा लिया ?

(50) क्या आप ने आ'ला हज़रत رَحْمَةُ اللَّهِ تَعَالَى عَلَيْهِ की किताब तम्हीदुल ईमान मअ़ हाशिया ईमान की पहचान नीज़ मक-त-बतुल मदीना की मत्बूआ किताबें कुफ़्रिय्या कलिमात के बारे में सुवाल जवाब और चन्दे के बारे में सुवाल जवाब पढ़ या सुन ली हैं ?

(51) क्या आप ने नमाज़ के अहक़ाम से नमाज़, वुज़ू, गुस्ल और तयम्मूम का तरीक़ा पढ़ या सुन लिया है ? और नमाज़ दुरुस्त कर के अपने उस्ताद साहिब को सुना दी है ?

(52) क्या आप ने येह रसाइल (जुल्म का अन्जाम, गुस्से का इलाज, अम्द पसन्दी की तबाह कारियां, मैं सुधरना चाहता हूँ, गुनाहों का इलाज, तौबा की रिवायात व हिकायात, वालिदैन् के हुक्क़, एहतिरामे मुस्लिम, खुदकुशी का इलाज, बा हया नौ जवान, क़ब्र की पहली रात, क़ियामत का इम्तिहान) पढ़ या सुन लिये हैं ?

“या रब्बे करीम ! हमें मुत्तकी बना” के उन्नीस हुरूफ़ की निस्बत से घर में “म-दनी माहोल” बनाने के 19 म-दनी फूल

(1) घर में आते जाते बुलन्द आवाज़ से सलाम कीजिये । (2) वालिदा या वालिद साहिब को आते देख कर ता'जीमन खड़े हो जाइये । (3) दिन में कम अज़ कम एक बार इस्लामी भाई वालिद साहिब के और इस्लामी बहनें मां के हाथ और पाउं चूमा करें । (4) वालिदैन् के सामने आवाज़ धीमी रखिये, इन से आंखें हरगिज़ न मिलाइये, नीची निगाहें रख कर ही बातचीत कीजिये । (5) इन का सोंपा हुवा हर वोह काम जो ख़िलाफ़े शर-अ न हो फ़ौरन कर डालिये । (6) सन्जी-दगी अपनाइये । घर में तू तुकार, अबे तबे और मज़ाक़ मस्ख़री करने, बात बात पर गुस्से हो जाने, खाने में ऐब निकालने, छोटे भाई बहनों को झाड़ने, मारने, घर के बड़ों से उलझने, बहसें करते रहने की अगर आप की आदतें हों तो अपना रवय्या यक्सर तब्दील कर दीजिये, हर एक से मुआफ़ी तलाफ़ी कर लीजिये । (7) घर में और बाहर हर जगह आप सन्जीदा हो जाएंगे तो **إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ** घर के अन्दर भी ज़रूर इस की ब-र-कतें ज़ाहिर होंगी । (8) मां बल्कि बच्चों की अम्मी हो तो उसे नीज़ घर (और बाहर) के एक दिन के बच्चे को भी “आप” कह कर ही मुख़ातिब हों । (9) अपने महल्ले की मस्जिद में इशा की जमाअत के वक़्त से ले कर दो घन्टे के अन्दर अन्दर सो जाइये । काश ! तहज्जुद में आंख खुल जाए वरना कम अज़ कम नमाज़े फ़ज़्र तो ब आसानी (मस्जिद की पहली सफ़ में बा जमाअत) **मुयस्सर** आए और फिर कामकाज में भी सुस्ती न हो । (10) घर के अफ़राद में अगर नमाज़ों की सुस्ती, बे पर्दगी, फ़िल्मों डिरामों और गाने बाजों का सिल्सिला हो और आप अगर सर-परस्त नहीं हैं, नीज़ ज़न्ने ग़ालिब है कि आप की

नहीं सुनी जाएगी तो बार बार टोका टोक के बजाए, सब को नरमी के साथ **मक-त-बतुल मदीना** से जारी शुदा सुन्नतों भरे बयानात की ओडियो/वीडियो केसिटें सुनाइये । **म-दनी चेनल** दिखाइये । **إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ** “म-दनी नताइज” बरआमद होंगे । (11) घर में कितनी ही डांट बल्कि मार भी पड़े, **सब्र**, **सब्र** और **सब्र** कीजिये । अगर आप ज़बान चलाएंगे तो “म-दनी माहोल” बनने की कोई उम्मीद नहीं बल्कि मज़ीद बिगाड़ पैदा हो सकता है कि बे जा सख़्ती करने से बसा अवकात शैतान लोगों को ज़िद्दी बना देता है । (12) म-दनी माहोल बनाने का एक बेहतरीन ज़रीआ येह भी है कि घर में रोज़ाना **फ़ैज़ाने सुन्नत** का दर्स ज़रूर ज़रूर ज़रूर दीजिये या सुनिये । (13) अपने घर वालों की दुन्या व आख़िरत की बेहतरी के लिये दिलसोज़ी के साथ दुआ भी करते रहिये कि फ़रमाने मुस्तफ़ा **عَلَى اللَّهِ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ** है : “**الدُّعَاءُ سِلَاحُ الْمُؤْمِنِ**” ।” (14) सुसराल में रहने वालियां जहां घर का ज़िक्र है वहां सुसराल और जहां वालिदैन का ज़िक्र है वहां सास और सुसर के साथ वोही हुस्ने सुलूक बजा लाएं जब कि कोई मानेए शर-ई न हो । (15) **मसाइलुल कुरआन सफ़हा 290** पर है : हर नमाज़ के बा’द येह दुआ अव्वल व आख़िर दुरूद शरीफ़ के साथ एक बार पढ़ लीजिये, **إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ** बाल बच्चे सुन्नतों के पाबन्द बनेंगे और घर में **म-दनी माहोल** काइम होगा । (दुआ येह है :)

(اللَّهُمَّ رَبَّنَاهُ لَنَامِنْ أَرْوَاجِنَا وَذُرِّيَّتِنَا قُرَّةَ أَعْيُنٍ وَاجْعَلْنَا لِلْمُتَّقِينَ إِمَامًا ۝٤٣)

1 (اللَّهُمَّ) आयते कुरआनी का हिस्सा नहीं)

مدیر : 1 : तर-ज-मए कन्ज़ुल ईमान : ऐ हमारे رب हमें दे हमारी बीबियों और हमारी औलाद से आंखों की ठण्डक और हमें परहेज़ गारों का पेशवा बना । (پ۱۹، الفرقان ۷۴)

(16) ना फ़रमान बच्चा या बड़ा जब सोया हो तो 11 से 21 दिन तक उस के सिरहाने खड़े हो कर येह आयाते मुबा-रका सिर्फ़ एक बार इतनी आवाज़ से पढ़िये कि उस की आंख न खुले :

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ طَبْلٌ هُوَ قُرْآنٌ مَّجِيدٌ ۝ فِي لَوْحٍ مَّحْفُوظٍ ۝¹

(अव्वल, आखिर एक मर्तबा दुरूद शरीफ़) याद रहे ! बड़ा ना फ़रमान हो तो सोते सोते सिरहाने वज़ीफ़ा पढ़ने में उस के जागने का अन्देशा है खुसूसन जब कि उस की नींद गहरी न हो, येह पता चलना मुश्किल है कि सिर्फ़ आंखें बन्द हैं या सो रहा है लिहाज़ा जहां फ़ितने का ख़ौफ़ हो वहां येह अमल न किया जाए ख़ास कर बीवी अपने शोहर पर येह अमल न करे ।

(17) नीज़ ना फ़रमान औलाद को फ़रमां बरदार बनाने के लिये ता हुसूले मुराद नमाज़े फ़ज़्र के बा'द आस्मान की तरफ़ रुख़ कर के "يَاشْهَيْدُ" 21 बार पढ़िये । (अव्वल व आखिर, एक बार दुरूद शरीफ़) (18) म-दनी

इन्आमात के मुताबिक़ अमल की आदत बनाइये, और घर के जिन अफ़राद के अन्दर नर्म गोशा पाएं उन में और आप अगर बाप हैं तो औलाद में नरमी और हिक्मते अ-मली के साथ म-दनी इन्आमात का निफ़ाज़ कीजिये, अल्लाह عَزَّ وَجَلَّ की रहमत से घर में म-दनी इन्क़िलाब बरपा हो जाएगा ।

(19) पाबन्दी से हर माह कम अज़ कम तीन दिन के म-दनी क़ाफ़िले में आशिक़ाने रसूल के साथ सुन्नतों भरा सफ़र कर के घर वालों के लिये भी दुआ कीजिये । म-दनी क़ाफ़िले में सफ़र की ब-र-कत से भी घरों में म-दनी माहौल बनने की "म-दनी बहारें" सुनने को मिलती हैं ।

1 : तर-ज-मए कन्ज़ुल ईमान : बल्कि वोह कमाल शरफ़ वाला कुरआन है लौहे महफूज़ में ।

कारकदर्गी बराए रिज़ाए रब्बुल अनाम عَزَّوَجَلَّ के काम

(1) इस माह के अक्सर दिनों में मज़कूरा म-दनी इन्आमात पर अमल की कोशिश रही ? ☐

(2) इस माह के अक्सर दिनों में कम अज़ कम 12 मर्तबा लिख कर गुफ़्त-गू फ़रमाई ? ☐

(3) इस माह के अक्सर दिनों में कम अज़ कम 12 मर्तबा इशारे से गुफ़्त-गू फ़रमाई ? ☐

(4) इस माह के अक्सर दिनों में कम अज़ कम 12 मर्तबा चेहरे पर निगाहें गाड़े बिगैर गुफ़्त-गू की कोशिश फ़रमाई । ☐

(5) इस माह के अक्सर दिनों में कम अज़ कम 12 मिनट कुफ़्ले मदीना का ऐनक इस्ति'माल फ़रमाया ? ☐

(6) इस माह आप ने अमीरे अहले सुन्नत دَامَتْ بَرَكَاتُهُمُ الْعَالِيَةِ के कितने रसाइल का मुता-लआ फ़रमाया ?

पहला हफ़्ता ☐

तीसरा हफ़्ता ☐

कुल ता'दाद ☐

दूसरा हफ़्ता ☐

चौथा हफ़्ता ☐

(7) इस माह 52 म-दनी इन्आमात में से कितने पर अमल की कोशिश रही ? ☐

(8) इस माह कितने दिन फ़िक्रे मदीना की सआदत हासिल की ? ☐

اَلْحَمْدُ لِلّٰهِ عَزَّوَجَلَّ इस माह अत्तार का दोस्त ☐ अत्तार का प्यारा ☐ अत्तार का मन्ज़ूरे

नज़र ☐ महबूबे अत्तार ☐ बनने की सआदत हासिल हुई । اِنْ شَاءَ اللّٰهُ عَزَّوَجَلَّ आयन्दा माह

कम अज़ कम ☐ म-दनी इन्आमात पर अमल की कोशिश करूंगा ।

अमल करने का आसान तरीका

रिसाले में हर म-दनी इन्आम के नीचे 30 दिनों के खाने दिये गए हैं। रोज़ाना वक़्त मुक़र्रर पर फ़िक़रे मदीना (या'नी मुह्रा-सबे के दौरान खाने पुर करने का सिल्सिला) कीजिये जिन म-दनी इन्आमात पर अमल की सआदत मिली, नीचे खाने में (<) का निशान वरना (○) बना दीजिये إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّ وَجَلَّ ब तदरीज अमल में इज़ाफ़े के साथ साथ दिल में गुनाहों से नफ़रत पाएंगे।

हदीसे पाक में है : (आख़िरत के मुआ-मले में) घड़ी भर ग़ौरो फ़िक़र करना 60 साल की इबादत से बेहतर है।

(الجامع الصغير للسيوطي، الحديث 5897 ص 365 دار الكتب العلمية بيروت)

दुआए अत्तार : या अल्लाह عَزَّ وَجَلَّ ! जो हर माह तेरी रिज़ा के लिये म-दनी इन्आमात पर अमल कर के रोज़ाना इस रिसाले में दिये गए खाने पुर कर के अपने ज़ैली मुशा-वरत के निगरान को जम्अ करवाए तू उस के अमल में इस्तिक़्ामत अता फ़रमा कर उस को अपना मक्बूल बन्दा बना ले।

म-दनी माह..... 14 सि.हि.

नाम मअ वल्लिदय्यत..... उम्र तक़रीबन.....

मुकम्मल पता.....

बैराक नम्बर..... बोर्ड/सर्कल..... जेल/शहर.....

आप ने **फ़िक़रे मदीना** (या'नी मुह्रा-सबे के दौरान खाना पुरी करने) के लिये कौन सा **वक़्त** मुक़र्रर फ़रमाया है ?.....

फ़ैज़ाने मदीना, त्री कोनिया बगीचे के सामने, मिरज़ापूर, अहमदआबाद-1, गुजरात, इन्डिया

مكتبة الدّين

Mo.091 93271 68200

E-mail : maktabaahmedabad@gmail.com www.dawateislami.net